B.A. Part-I fundamental Psychology
B.A.(H)

प्रश्न अभिप्रेरणा से आप क्या समझते हैं? सामाजिक या अर्जित अभिप्रेरकों का वर्णन करें।

अभिप्रेरण का सामान्य अर्थ ऐसी आंतरिक अवस्था से है जो व्यक्ति को कुछ कार्य करने के लिए प्रेरित करे। स्पष्ट है कि अभिप्रेरक एक तरह का आंतरिक बल है, जो व्यक्ति को किसी लक्ष्य की ओर बढ़ने या कुछ करने के लिए प्रेरित करता है।

यूकांव - 'अभिप्रेरण प्राणी की ऐसी अवस्था है जो उसकी शारिरीक शक्ति को वातावरण में उपस्थित अनेक वस्तुओं में से किसी एक खास वस्तु को चुनने के लिए निर्देशित करता है।

सामाजिक अभिप्रेरक या सामाजिक प्रेरक के प्रकार

अर्जित अभिप्रेरक - अर्जित अभिप्रेरक वैसे अभिप्रेरक को कहा जाता है जो व्यक्ति में जन्म से तो मौजूद नहीं है परंतु जिसे व्यक्ति अपने जीवन काल में सामाजिक रूप से अपने को श्रेष्ठ बनाए रखने के लिए सिखता है।

(1). आक्रमणशीलता - आक्रमणशीलता एक प्रमुख सामाजिक अभिप्रेरक है जिसमें एक व्यक्ति दूसरे व्यक्ति को शाब्दिक रूप से या शारीरिक रूप से चोट पहुँचाने की कोशिश करता है।

२. सामुदायिक या संबंधन की आवश्यकता - मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है वह समाज में रहना चाहता है। व्यक्ति में सामुदायिकता के अभिप्रेरक का विकास इसीलिए होता है कि इसके सहारे वह अपनी कुछ आवश्यकताओं जैसे भूख, प्यास, काम आदि की संतुष्टि करता है।

(3) संग्रहणशीलता - संग्रहणशीलता अभिप्रेरक से तात्पर्य मूल्यवान वस्तु या पसंद की चीजों को इकट्ठा करने या संग्रह करने से होता है। इस तरह की अभिप्रेरणा की भाव व्यक्ति के अनुकरण के द्वारा सिखने के फलस्वरूप होता है। परिवार के बच्चे बड़े सदस्यों को उत्तम एवं मूल्यवान चीजों को हिफाजत से संग्रह करते देखते हैं। फलतः वे भी ऐसी चिजों का संग्रह करके रखना चाहते हैं और उसमें धीरे-धीरे संग्रहणशीलता के अभिप्रेरक का विकास होता है।

Dr. Randhir Kumar

Dept of Psychology

U.R.C. Rosera Samastipur

9470435919

Scanned by TapScanner